



न्यूज़ ब्रीफ

विराट के नाम है ये अनौछा रिकार्ड

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली अपनी शानदार बल्लेबाजी के कारण रन मशीन के नाम से जाने जाते हैं पर उनके नाम पर गेंदबाजी में भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक ऐसा रिकार्ड दर्ज है जिससे काफी कम लोग जानते हैं। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक ऐसा रिकार्ड दर्ज है जिससे काफी कम लोग जानते हैं। यह टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बिना कोई वैध गेंद फेंके अर्थात शून्य गेंद पर विकेट हासिल करने का है। ये क्रिकेट इतिहास में आज भी एक दुर्लभ रिकार्ड माना जाता है। शून्य गेंद उसे कहा जाता है जो नियमतः वैध नहीं होती। यदि कोई गेंदबाज अपने ओवर की शुरुआत में ही वाइड या नो-बाल जैसी अवैध गेंद फेंकता है, तो उस गेंद को ओवर की वैध गेंदों में नहीं गिना जाता। सामान्यतः ऐसी अवैध गेंद पर कोई खास घटना नहीं घटती और खेल एक अतिरिक्त रन के साथ जारी रहता है, लेकिन यदि इसी अवैध गेंद पर बल्लेबाज किसी कारणवश आउट हो जाए जैसे कि रन आउट, स्टंप आउट या आल्सट्रव्किंग द फील्ड – तो गेंदबाज को बिना कोई वैध गेंद फेंके ही विकेट मिल जाता है। वह क्रिकेट नियमों के तहत एक अत्यंत अनूठा और अप्रत्याशित वाक्या होता है, जो खेल की अनिश्चितता को उजागर करता है। विराट के ऐसी ही गेंद पर विकेट लेने की यह ऐतिहासिक घटना साल 2011 की है। तब भारत के इंग्लैंड दौरे के दौरान मेनचेस्टर में खेले गए एक टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में तत्कालीन भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने सबको विराट को गेंदबाजी सौंप दी। विराट जब अपने ओवर की पहली गेंद फेंकने आए, तो सामने थे इंग्लैंड के खतरनाक बल्लेबाज केविन पीटरसन। विराट ने लेग साइड पर एक वाइड गेंद डाली। पीटरसन उस गेंद पर बड़ा शाट खेलने के प्रयास में अपनी क्रीज से काफी आगे निकल आए, लेकिन गेंद को छू नहीं पाए।

हाइलो ओपन के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंची सिंधु, अश्मिता बाहर

सारबुकेन (जर्मनी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने हाइलो ओपन 2026 में शानदार शुरुआत करते हुए यूएई की प्रकृति भरत को सीधे गेम में हराकर महिला एकल के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। वहीं, भारत की अश्मिता चलिहा को पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा। दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने राउंड आफ 32 के मुकाबले में भारत को महज 28 मिनट में 21-10, 21-10 से शिकस्त दी। अब उनका सामना फ्रांस की रैसी ओक्टविया पंकसारी से होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु फ्रेंच ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के बाद इस प्रतियोगिता में उतरी हैं। उन्होंने फ्रेंच ओपन के फाइनल तक का सफर तय किया था, जहां उन्हें विश्व की नंबर एक खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की आन से यंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। अश्मिता पहले दौर में हारी दूसरी और, महिला एकल में भारत की अश्मिता चलिहा का सफर पहले दौर में ही समाप्त हो गया। उन्हें बुल्गारिया की कालोयाना नलबांतोवा ने 54 मिनट तक चले मुकाबले में 18-21, 21-12, 21-8 से हराया।

आरसीबी डब्ल्यूपीएल 2027 खिताब बचाने के इरादे से उतरेगी : कोच

कोच्चि। राफेल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कोच मलोलन रंगराजन ने कहा है कि उनकी टीम महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2027 में अपने खिताब को बनाये रखने का पूरा प्रयास करेगी। इसी के तहत ही टीम नीलामी में बेहतर खिलाड़ियों को खरीदने उतरेगी जिससे की टीम को और बेहतर बनाया जा सके। कोच के अनुसार आरसीबी की लक्ष्य अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने हुए तीन डब्ल्यूपीएल खिताब जीतने वाली पहली टीम बनना है। अगले सत्र की नीलामी में आरसीबी 1.15 करोड़ रुपये के परस के साथ उतरेगी और उसे अपनी टीम में पांच महत्वपूर्ण स्थान भरने होंगे। रंगराजन ने अपनी टीम की रणनीति भी बतायी। उन्होंने कहा, हम पिछले साल लीग में अपने प्रदर्शन का बारीकी से आंकलन करते हैं, लीग के विकास को समझने की कोशिश करते हैं, अपनी टीम में कमियों की पहचान करते हैं, और लगातार सुधार की प्रक्रिया में लगे रहते हैं। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूपीएल 2027 का अगला सत्र जनवरी में शुरू होने की उम्मीद है, और टीम अब सिर्फ यही देख रही है कि वे अपनी टीम को कैसे बेहतर बना सकते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा, हमारे पास पहली टीम बनने का अवसर है जिसने तीन चैंपियनशिप जीती हैं और बैक-टू-बैक विजेता बनी हैं। इसी के तहत ही नीलामी की तैयारी महीनों पहले ही शुरू हो गई थी। टीम की दावेदारी को मजबूत करने वाली सबसे महत्वपूर्ण खबर आस्ट्रेलियाई स्टार आल-राउंडर एलसी पेरी की वापसी है, जो पिछले सीजन में निजी कारणों से टीम का हिस्सा नहीं थी। रंगराजन ने पेरी के महत्व पर जोर देते हुए कहा, पेरी हमारी टीम का एक बहुत ही जरूरी हिस्सा हैं। उन्होंने आरसीबी के लिए हमेशा योगदान दिया है, चाहे हम जीतें या न जीतें। हमारी टीम में उनकी वापसी से हमें बहुत बड़ा बढ़ावा मिलेगा।

नईदुनिया

उत्कृष्ट खिलाड़ियों की श्रेणी चुनावों के लिए भूपति सानिया सहित छह पूर्व खिलाड़ी मैदान में उतरे

मुम्बई । पूर्व टेनिस स्टार महेश भूपति और सानिया मिर्जा और अंकिता भांबरी सहित छह अन्य पूर्व खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खिलाड़ियों की श्रेणी के चुनाव के अब अखिल भारतीय टेनिस यूनियन (एआईटीए) में नामांकन दाखिल किया है। ये चुनाव आगामी 7 नवंबर को होंगे। खिलाड़ियों के इस प्रकार टेनिस यूनियन में आने से नीति-निर्माण में उभरते हुए खिलाड़ियों को लाभ मिलेगा। वहीं दिग्गज खिलाड़ी लिण्डर पेस की अध्यक्ष पद की उम्मीदवारी को झटका लगा है, क्योंकि उनका नाम इस श्रेणी के उम्मीदवारों की सूची में शामिल नहीं है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, लिण्डर पेस को उम्मीदवारी को बंगाल टेनिस यूनियन का समर्थन प्राप्त था। इसके बावजूद, वह उत्कृष्ट खिलाड़ियों की श्रेणी के तहत होने वाले चुनाव के लिए नामांकन दाखिल नहीं कर सके क्योंकि नियमों के मुताबिक, किसी राष्ट्रीय खेल यूनियन में पदाधिकारी बनने के लिए उम्मीदवार को राज्य खेल यूनियन में कम से कम एक कार्यकाल तक पदाधिकारी के रूप में काम करना अनिवार्य है। पेस ने यह आवश्यक अवधि पूरी नहीं की है, जिसके चलते उन्हें राष्ट्रीय यूनियन में प्रतिनिधित्व पाने का यह सीधा रास्ता नहीं मिल सका। हालांकि, वह 27 नवंबर को

होने वाले एआईटीए के चुनाव में बंगाल राज्य का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं, लेकिन मौजूदा नियमों के तहत इस रास्ते से अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ पाएंगे।

दूसरी ओर, महेश भूपति ने खेल प्रशासन में अनुभवी खिलाड़ियों को शामिल करने की महत्ता पर विशेष जोर दिया है। उन्होंने कहा कि हर खेल यूनियन में ऐसे खिलाड़ियों की आवश्यकता है, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सर्वोच्च प्रतिस्पर्धा में भाग लिया हो। उनके मुताबिक, ऐसे खिलाड़ी अपने प्रत्यक्ष अनुभव और अंतर्दृष्टि से खेल को बेहतर बनाने और सही दिशा देने में अहम भूमिका

निभा सकते हैं। भूपति, सानिया और अंकिता के अलावा जिन 6 अन्य पूर्व खिलाड़ियों ने भी उत्कृष्ट खिलाड़ियों की श्रेणी के चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया है। वे हैं डेविस कप के वर्तमान कोच आशुतोष सिंह, गौरव नाटेकर, जानकी कृष्णमूर्ति, शालिनी ठाकुर चावला और बिली जॉन विशाल उप्पल। इस तरह, इस महत्वपूर्ण श्रेणी में कुल 8 पूर्व खिलाड़ी चुनावी मैदान में हैं। यूनियन की कार्यकारी समिति के लिए नामांकन दाखिल करने वालों में भी भूपति, सानिया, अंकिता, जानकी और विशाल उप्पल के नाम प्रमुख हैं।

वैभव की तूफानी बल्लेबाजी से सैमसन के टी-20 करियर पर संकट छाया

वैलिंगटन । भारतीय क्रिकेट टीम के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव ने यहां तीसरे टी20 में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी आक्रामक पारी से न सिर्फ क्रिकेट प्रशंसकों का दिल जीत लिया, बल्कि भारतीय टीम प्रबंधन के सामने एक नई चुनौती भी पेश कर दी है। इसके अलावा वैभव की इस धमाकेदार पारी से अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन के टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर पर भी गहरे सवाल उठने लगे हैं। मात्र 19 गेंदों में 45 रन की आतिशी पारी खेलकर वैभव ने अपनी बल्लेबाजी का दम दिखाया, जिसने टीम की सलामी बल्लेबाजी की योजनाओं को नए सिरे से सोचने पर मजबूर कर दिया है।

दरअसल, तीसरे टी-20 मुकाबले में नियमित सलामी बल्लेबाज ईशान क्रिशन की चोट के कारण वैभव को अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करने का अवसर मिला। इस अवसर को दोनों हाथों से भुनाते हुए, उन्होंने अभिषेक के साथ मिलकर 43 गेंदों में 133 रनों की रिकार्ड तोड़ साझेदारी की। इस तूफानी बल्लेबाजी के बदौलत भारत ने पावरप्ले के भीतर ही 100 से अधिक रन बनाकर एक मजबूत आधारशिला रखी। वैभव की यह पारी न केवल बेहद तेज थी, बल्कि इसने यह भी प्रमाणित कर दिया कि वह पारी की शुरुआत करने के लिए एक स्वाभाविक और प्रभावशाली विकल्प हैं।

इससे पहले, श्रींखला के दूसरे मुकाबले में जब वैभव को नंबर तीन पर बल्लेबाजी के लिए उतारा गया था, तब वह सिर्फ 8 रन बनाकर आउट हो गए थे। उस समय कई क्रिकेट विश्लेषकों ने इस रणनीति की आलोचना की थी, उनका मानना था कि एक नैसर्गिक ओपनर को मध्यक्रम में खेलना सही नहीं है। तीसरे मैच में ओपनिंग स्लाट पर मिली सफलता ने उन आलोचनाओं को सही ठहराया है और वैभव को एक सलामी बल्लेबाज के रूप में स्थापित कर दिया है।

अब सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि ईशान क्रिशन के पूरी तरह फिट होकर टीम में लौटने पर प्लेइंग इलेवन का स्वरूप क्या होगा। चूंकि ईशान क्रिशन लगातार अच्छे फार्म में हैं और ओपनिंग के प्रबल दावेदार हैं, वहीं वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक शर्मा की नई सलामी जोड़ी ने अपनी उपयोगिता और आक्रामक तेवर साबित कर दिए हैं, ऐसे में सैमसन के लिए टीम में अपनी जगह बनाना बेहद कठिन प्रतीत हो रहा है।



जोकोविच ने बेसल ओपन में जीत के साथ की शुरुआत, एटीपी फाइनल्स में जगह बनाने की उम्मीद मजबूत

बेसल। सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने बेसल ओपन में खेले गए अपने पहले मुकाबले में फ्रांस के उगो हम्बर्ट को तीन सेटों में हराकर एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया। 39 वर्षीय जोकोविच ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए 4-6, 6-3, 6-4 से जीत दर्ज की। वह 2011 के बाद पहली बार बेसल में खेल रहे हैं। जोकोविच ने मुकाबले के बाद कहा, यह बेहद करीबी और शुरुआत से ही काफी चुनौतीपूर्ण मुकाबला था। पहले अंक से ही मुझे दबाव का सामना करना पड़ा। मुझे उनके आक्रामक खेल का सामना करना था, लेकिन दूसरे सेट की शुरुआत में मैं अपनी लय हासिल करने में सफल रहा। उन्होंने कहा, इसके बाद मुझे उनके खेल की गति के साथ तालमेल बैठाने में थोड़ी सहजता महसूस हुई। कुल मिलाकर यह बड़ी चुनौती थी। कठिन मुकाबले में मैं समाधान तलाशने में सफल रहा। रिकार्ड 19वीं बार क्वालीफाई करने पर नजर जोकोविच ने इस महीने की शुरुआत में बीजिंग में चाइना ओपन का खिताब जीतकर एटीपी फाइनल्स में रिकार्ड 19वीं बार जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया था। यह उनके करियर का 102वां खिताब था। हालांकि, इसके बाद उन्हें शंघाई मास्टर्स में शुरुआती दौर में ही बाहर होना पड़ा। 24 ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुके जोकोविच ने टयूरिन में होने वाले सत्र के अंतिम टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने की दौड़ में 11वें स्थान पर खिसकने के बाद स्विटजरलैंड की इस प्रतियोगिता में वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रवेश किया। जोकोविच सात बार एटीपी फाइनल्स का खिताब जीत चुके हैं, लेकिन चोट के कारण पिछले दो संस्करणों में हिस्सा नहीं ले पाए थे। इस टूर्नामेंट में 15 से 22 नवंबर तक दुनिया के शीर्ष आठ खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। हालांकि, इटली के यानिक सिनर घुटने की समस्या के कारण पहले ही टूर्नामेंट से हट चुके हैं। बेसल में चौथी वरीयता प्राप्त जोकोविच अगले दौर में जर्मनी के यान-लेनार्ड स्ट्रफ से भिड़ेंगे। स्ट्रफ के खिलाफ जोकोविच का जीत-हार का रिकार्ड 8-0 है।

डब्ल्यूपीएल नीलामी में सोफी को यूपी वारियर्स ने 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा



कोच्ची। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के लिए जारी नीलामी में आस्ट्रेलिया की सोफी मॉलिन्यू सबसे महंगी बिकी। सोफी को यूपी वारियर्स ने 1.10 करोड़ में खरीदा। सोफी ने नीलामी के लिए 50 लाख का बेस प्राइस रखा था। खबर लिखे जाने तक सभी पांच टीमों कुल 27 स्लाट के लिए खिलाड़ियों पर बोली लगाती नजर आयीं। वहीं यूपी वारियर्स ने ही विकेटकीपर सुष्मा वर्मा के लिए सबसे पहली बोली लगाई। सुष्मा पर और किसी भी टीम ने अपनी दिलचस्पी नहीं दिखाई पर यूपी उसे 30 लाख के बेस प्राइस पर शामिल किया। इसके अलावा यूपी ने यूपी ने ग्रेस हैरिस और स्नेह राणा को भी उनके बेस प्राइस पर खरीदा। वहीं गुजरात जायंट्स ने ओर्ला प्रेंडरगास्ट को खरीदा। ओर्ला प्रेंडरगास्ट 30 लाख रुपए के बेस प्राइस पर गुजरात जायंट्स में शामिल हो गई हैं। गुजरात के अलावा किसी अन्य टीम ने उनपर बोली नहीं लगायी। भारत की आलराउंडर जी कर्मालीनी पर गुजरात जायंट्स की टीम ने बोली लगाकर 40 लाख रुपए में अपने साथ जोड़ा है इसके अलावा किर्न नागवियरे को दिल्ली फेपिटल्स ने 75 लाख रुपए में खरीदा किर्न पर मुंबई इंडियंस की टीम ने भी बोली लगायी थी पर उसके पास पर्याप्त रकम नहीं थी इसलिए वह उसे शामिल नहीं कर पायी।

ओलंपिक में क्रिकेटी की वापसी के साथ ही वाडा ने आईसीसी को शीर्ष निगरानी श्रेणी में रखा

नई दिल्ली । लास एंजिल्स ओलंपिक के लिए क्रिकेट को शामिल किये जाने के बाद से ही विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) ने इस खेल पर अपनी नजरें रखनी शुरू कर दी है। इसी के तहत ही वाडा ने कहा है कि अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) भी उनकी निगरानी में है और उसे प्राथमिकता नीति के तहत शीर्ष टियर 1 श्रेणी में डाल दिया गया है।

इसके साथ ही कहा कि भारत भी उन शीर्ष देशों की सूची में है जिन्हें निगरानी कार्यक्रम के

तहत सबसे कड़ी डोपिंग जांच और निगरानी का सामना करना पड़ पड़ेगा है। यह नई व्यवस्था अगले वर्ष 1 जनवरी से प्रभावी होगी।

गौरतलब है कि अभी तक आईसीसी टियर 2 श्रेणी में रही थी। वहीं अब आईसीसी के टियर 1 में अपग्रेड होने से तय है कि क्रिकेटर्स को पहले से कहीं अधिक कड़ी डोपिंग जांच प्रक्रियाओं से गुजरना होगा। वाडा ने स्पष्ट किया है कि खेलों का यह वर्गीकरण मुख्य रूप से उनके ओलंपिक या पैरालंपिक कार्यक्रमों में शामिल होने के आधार पर किया जाता है। गौरतलब है कि 100 से अधिक वर्षों के लंबे अंतराल के बाद, क्रिकेट 2028 में लास एंजिल्स ओलंपिक खेलों में अपनी वापसी करेगा। इस स्तरीय प्रणाली का प्राथमिक लक्ष्य यह तय करना है कि वाडा के संसाधनों का अधिकतम उपयोग उन देशों और खेलों में डोपिंग



के जोखिम का सामना करने के लिए किया जा सके, जहाँ धोखाधड़ी का जोखिम और प्रभाव

सबसे अधिक माना जाता है।

इस बीच, डोपिंग के अधिक मामलों के लगातार पाए जाने के कारण भारत पिछले तीन वर्षों से वाडा की निगरानी के शीर्ष टियर 1 श्रेणी में बना हुआ है। इस श्रेणी में कुल 50 देश शामिल हैं, जिनमें संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन जैसे बड़े देश भी शामिल हैं। क्रिकेट की तरह, स्व्वाश को भी ओलंपिक खेलों में शामिल किए जाने के कारण विश्व स्व्वाश महासंघ को टियर 3 से झियर 1 में अपग्रेड किया गया है। वाडा के 38 सदस्यीय शीर्ष टियर 1 संघों में अब आईसीसी के साथ विश्व बैडमिंटन महासंघ, अंतरराष्ट्रीय साइकलिंग संघ, अंतरराष्ट्रीय फुटबाल महासंघ (फीफा), अंतरराष्ट्रीय जिम्नास्टिक महासंघ, अंतरराष्ट्रीय हाकी महासंघ, अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति, अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ, वर्ल्ड बाक्सिंग और विश्व एथलेटिक्स जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघ भी शामिल हो गए हैं।

रेड रन मिनी मैराथन में युवाओं ने दिया एचआईवी जागरूकता और नशामुक्ति का संदेश

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति, राष्ट्रीय सेवा योजना और रेड रिबन क्लबों के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में राज्य स्तरीय रेड रन 2026 मिनी मैराथन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. दीनदयाल बेदिया, मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति की अपर परियोजना संचालक डॉ. नलिनी गौड़, क्षेत्रीय निदेशालय मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अशोक कुमार श्रोती, राज्य रासेयो अधिकारी डॉ. मनोज कुमार अनिनहोत्री तथा समिति की संयुक्त निदेशक (आईईसी) डॉ. सविता ठाकुर प्रमुख रूप से उपस्थित रहें। अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर 10 किलोमीटर की दौड़ को रवाना किया।

आयोजन की व्यवस्थाएं बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ ने कीं। द भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज की रासेयो इकाई ने सह-आयोजन में सहयोग दिया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अनंत कुमार सक्सेना और युवा अधिकारी डॉ. राजकुमार वर्मा भी उपस्थित रहे। मैराथन के



साथ आयोजित वॉकथॉन, नुकड़ नाटक, फ्लैश मॉब, पोस्टर मेकिंग, स्लोगन राइटिंग और फेस पेंटिंग प्रतियोगिताओं के माध्यम से एचआईवी-एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाने और नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया गया। बालिका वर्ग में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय की अंजलि पाटीदार प्रथम, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा की सविता कुशवाहा द्वितीय और महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर की तुलसा अहिरवार तृतीय रहीं। बालक वर्ग

में जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर के आदित्य खटीक प्रथम और अनुराग भदौरिया द्वितीय तथा महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर के धर्मेन्द्र पटेल तृतीय रहे। दोनों वर्गों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को क्रमशः 10 हजार, 7 हजार और 5 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। दोनों वर्गों के प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त विजेता आगामी 3 नवंबर को पटना में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। समापन पर डॉ. सविता ठाकुर ने आभार व्यक्त किया।